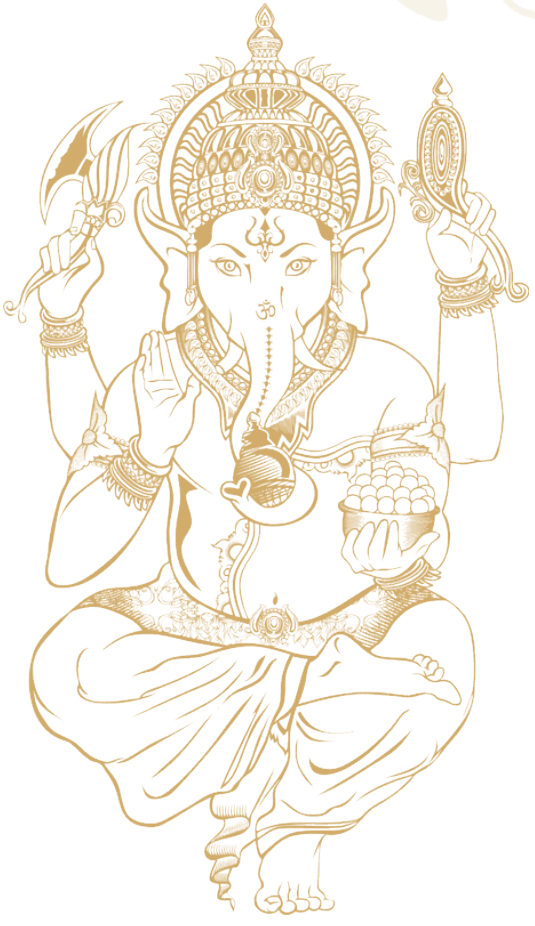

Dewanshi

26 Oct 2004

04:20 AM

Ujhani

Model: web-freekundliweb

Order No: 121093503

लिंग	स्त्रीलिंग
जन्म तिथि	**25-26/10/2004**
दिन	सोम-मंगलवार
जन्म समय	**04:20:00 घंटे**
इष्ट	54:58:04 घटी
स्थान	**Ujhani**
राज्य	Uttar Pradesh
देश	India

अक्षांश	28:00:00 उत्तर
रेखांश	79:00:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:14:00 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	04:06:00 घंटे
वेलान्तर	00:15:58 घंटे
साम्पातिक काल	06:24:38 घंटे
सूर्योदय	06:20:46 घंटे
सूर्यास्त	17:35:09 घंटे
दिनमान	11:14:23 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	हेमन्त
सूर्य के अंश	08:56:37 तुला
लग्न के अंश	11:31:49 कन्या

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	कन्या - बुध
राशि-स्वामी	**मीन - गुरु**
नक्षत्र-चरण	**उ०भाद्रपद - 3**
नक्षत्र स्वामी	शनि
योग	व्याघात
करण	तैतिल
गण	मनुष्य
योनि	गौ
नाड़ी	मध्य
वर्ण	विप्र
वश्य	जलचर
वर्ग	सिंह
युँजा	अन्त्य
हंसक	जल
जन्म नामाक्षर	झ-झनक
पाया(राशि-नक्षत्र)	ताम्र - लौह
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	वृश्चिक

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			कन्या	11:31:49	319:29:18	हस्त	1	13	बुध	चंद्र	मंगल	---
सूर्य			तुला	08:56:37	00:59:49	स्वाति	1	15	शुक्र	राहु	गुरु	नीच राशि
चंद्र			मीन	12:56:07	13:11:05	उ०भाद्रपद	3	26	गुरु	शनि	राहु	सम राशि
मंगल		अ	कन्या	25:19:57	00:39:25	चित्रा	1	14	बुध	मंगल	राहु	शत्रु राशि
बुध		अ	तुला	21:46:55	01:31:24	विशाखा	1	16	शुक्र	गुरु	शनि	मित्र राशि
गुरु			कन्या	12:36:44	00:12:16	हस्त	1	13	बुध	चंद्र	राहु	शत्रु राशि
शुक्र			कन्या	02:22:18	01:12:10	उ०फाल्गुनी	2	12	बुध	सूर्य	गुरु	नीच राशि
शनि			कर्क	03:15:18	00:01:29	पुनर्वसु	4	7	चंद्र	गुरु	राहु	शत्रु राशि
राहु			मेष	08:13:36	00:00:03	अश्विनी	3	1	मंगल	केतु	गुरु	शत्रु राशि
केतु			तुला	08:13:36	00:00:03	स्वाति	1	15	शुक्र	राहु	राहु	सम राशि
हर्ष	व		कुंभ	09:04:08	00:00:50	शतभिषा	1	24	शनि	राहु	गुरु	---
नेप			मक	18:41:09	00:00:03	श्रवण	3	22	शनि	चंद्र	बुध	---
प्लूटो			वृश्चि	26:26:44	00:01:40	ज्येष्ठा	3	18	मंगल	बुध	गुरु	---
दशम भाव			मिथु	11:43:50	--	आर्द्रा	--	6	बुध	राहु	शनि	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:55:17

लग्न-चलित

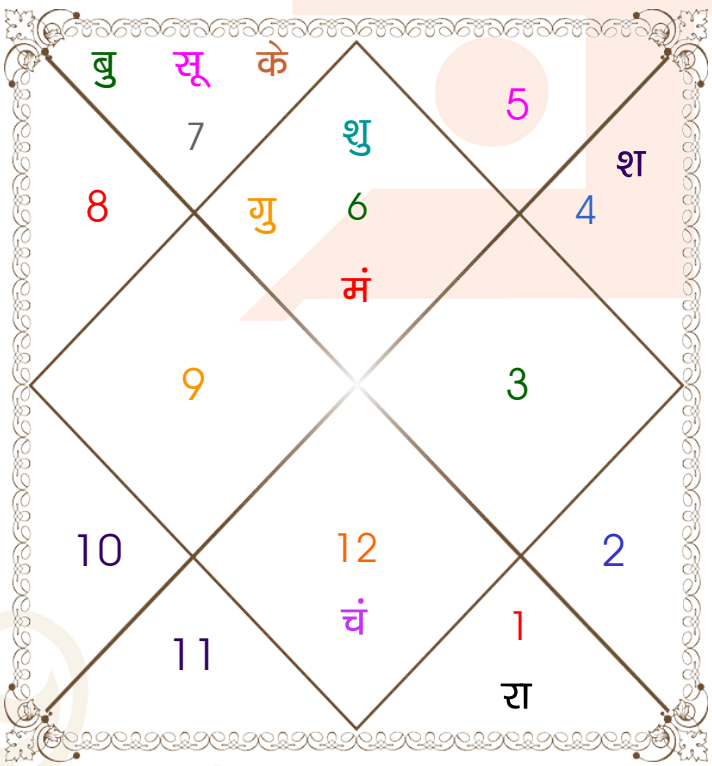

चन्द्र कुंडली

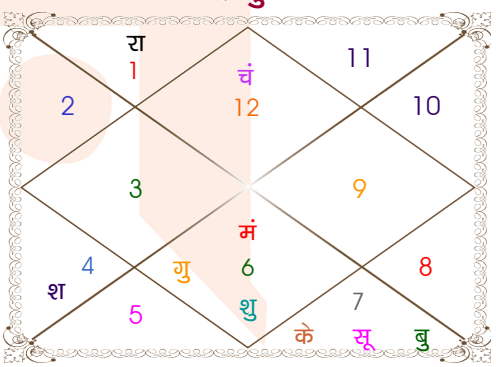

नवमांश कुंडली

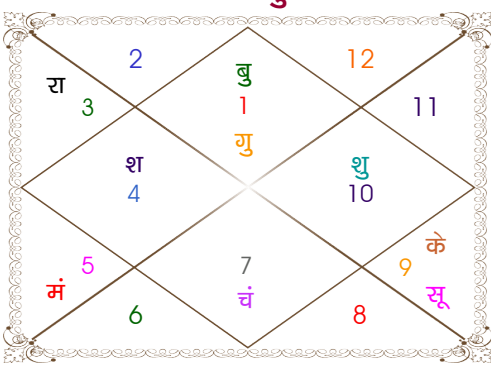

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : शनि 5 वर्ष 3 मास 24 दिन

शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष	
26/10/2004		19/02/2010		19/02/2027		19/02/2034		19/02/2054	
19/02/2010		19/02/2027		19/02/2034		19/02/2054		19/02/2060	
	00/00/0000	बुध	17/07/2012	केतु	18/07/2027	शुक्र	20/06/2037	सूर्य	08/06/2054
	00/00/0000	केतु	15/07/2013	शुक्र	16/09/2028	सूर्य	20/06/2038	चंद्र	08/12/2054
	00/00/0000	शुक्र	14/05/2016	सूर्य	22/01/2029	चंद्र	19/02/2040	मंगल	15/04/2055
	00/00/0000	सूर्य	21/03/2017	चंद्र	23/08/2029	मंगल	20/04/2041	राहु	08/03/2056
	00/00/0000	चंद्र	20/08/2018	मंगल	19/01/2030	राहु	20/04/2044	गुरु	26/12/2056
	00/00/0000	मंगल	18/08/2019	राहु	07/02/2031	गुरु	20/12/2046	शनि	08/12/2057
	26/10/2004	राहु	06/03/2022	गुरु	14/01/2032	शनि	19/02/2050	बुध	14/10/2058
राहु	08/08/2007	गुरु	11/06/2024	शनि	22/02/2033	बुध	20/12/2052	केतु	19/02/2059
गुरु	19/02/2010	शनि	19/02/2027	बुध	19/02/2034	केतु	19/02/2054	शुक्र	19/02/2060

चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष	
19/02/2060		19/02/2070		18/02/2077		19/02/2095		20/02/2111	
19/02/2070		18/02/2077		19/02/2095		20/02/2111		00/00/0000	
चंद्र	20/12/2060	मंगल	18/07/2070	राहु	02/11/2079	गुरु	08/04/2097	शनि	23/02/2114
मंगल	21/07/2061	राहु	05/08/2071	गुरु	27/03/2082	शनि	20/10/2099	बुध	02/11/2116
राहु	20/01/2063	गुरु	11/07/2072	शनि	31/01/2085	बुध	26/01/2102	केतु	12/12/2117
गुरु	21/05/2064	शनि	20/08/2073	बुध	21/08/2087	केतु	02/01/2103	शुक्र	10/02/2121
शनि	20/12/2065	बुध	17/08/2074	केतु	07/09/2088	शुक्र	02/09/2105	सूर्य	23/01/2122
बुध	21/05/2067	केतु	13/01/2075	शुक्र	08/09/2091	सूर्य	21/06/2106	चंद्र	25/08/2123
केतु	20/12/2067	शुक्र	15/03/2076	सूर्य	02/08/2092	चंद्र	21/10/2107	मंगल	02/10/2124
शुक्र	20/08/2069	सूर्य	20/07/2076	चंद्र	31/01/2094	मंगल	26/09/2108	राहु	27/10/2124
सूर्य	19/02/2070	चंद्र	18/02/2077	मंगल	19/02/2095	राहु	20/02/2111		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल शनि 5 वर्ष 4 मा 6 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म हस्त नक्षत्र के प्रथम चरण में कन्या लग्न के उदयकाल में हुआ था। साथ ही उस समय मेदिनीय क्षितिज पर मेष राशि का नवमांश एवं मकर राशि का द्रेष्काणा भी उदित था। जिसके प्रभाव से यह स्पष्ट हो रहा है कि आप द्विस्वाभात्मक गुणों युक्त हैं। आप धार्मिक ग्रंथों का अध्ययन कर धर्म मार्ग में प्रवीण हो गई हैं तथा यह सन्देहास्पद विषय है कि आप इस मार्ग के सहारे अपने लक्ष्य को सम्पादित कर सकेंगी।

आप कुप्रवृति से दूसरों को सताकर धन का संचय करेंगी। ऐसा प्रतीत होता है कि आप धन की सुनिश्चितता के लिए किसी भी हद तक जा सकती हैं। आप किसी को भी आकर्षित कर अर्थात प्रलोभन देकर विश्वास दे सकती हैं। आप निष्ठुर उद्दमी एवं परिश्रमी अध्यवसायी प्रवृति की हैं। आप किसी को भी आकर्षित कर अर्थात प्रलोभन देकर विश्वास दे सकती हैं और मनुष्योचित जरूरतों की पूर्ति हेतु आप कोई स्पष्ट चाल चलकर अपने उद्देश्य की पूर्ति हेतु पश्चाताप करोगी। आप प्रसन्नचित एवं भाग्यशाली महिला हैं। आप संसारिक सुख का आनन्द प्राप्त करेंगी। आप अच्छे हृदय से अनेक प्रकार के सामाजिक कार्य में भाग लेगीं। आप सदैव ही सभी के प्रेम सहवास की आकांक्षा रखेंगी।

आप कई वर्षों तक वैवाहिक संस्कार ग्रहण नहीं करेंगी। परन्तु जब आप एक वार अपने जीवन साथी का चयन कर लेंगी तो विवाहोपरान्त उसमें जोंक की तरह चिपक जाएँगी। अर्थात सदैव उसके तन-मन के साथ रहेंगी। यह सत्य है कि आप अपने परिवार के प्रति पूर्ण समर्पित रहेंगी। आपके पति आपके साथ एक पति की अनिवार्य भूमिका अदा करेंगे तथा सदैव ही प्रसन्नता की बिन्दु तलाश कर आपको प्रसन्न रखेंगे। आप अपने पति के माध्यम से सदैव ही अच्छी सन्तान ग्रहण करेंगी। आपको उसके सम्बन्ध में कदापि भी उदासीन एवं चिन्तनीय दशा नहीं रहेगी। वह निश्चित रूप से आपकी सन्तान को शिक्षित कर सुविधापूर्वक जीवन को व्यवस्थित कर देंगे।

आपकी सामुद्रिक विदेश की यात्रा सभी प्रकार से मधुर मंगलमय नहीं होगी। आप स्वयं के बचाव के लिए प्रभावशाली बंधन पाल रखा है जो जीवन को अवरोधक एवं द्वन्दात्मक बना दिया है। आप निश्चित रूप से स्वतः एकाग्रतापूर्वक एकमत से विचार कर किसी भी विषय को सम्पादित करने के लिए सक्षम हैं। परन्तु सम्प्रति आपकी बुद्धि अस्थिर है। आप पुनः अव्यवस्था का प्रतिकार कर लिया है तथा आपको सुव्यवस्थित समय का लाभ प्राप्त होगा। आपकी यह विशेषता है कि आप स्वच्छन्द रहती हैं। आप अपने मस्तिष्क को विषय वस्तु की ओर प्रवृत कर आप पुनः उत्साह पूर्वक कार्यारम्भ करने के लिए तैयार हो जाऐं।

यदि आप अपनी स्वास्थ्य रक्षा चाहती हैं तथा युवावस्था का लाभ प्राप्त करना चाहती हैं। अपनी युवावस्था अर्थात मध्यम आयु का आनन्द एवं लाभ प्राप्त करें। आप अपनी जीवन पद्धति की ह्रासमुखी अवधारणा को बदल सकती हैं। अन्यथा आप ज्यो-ज्यों आयु पथ पर प्रौढ़ता प्राप्त करती जाएंगी। आपको मध्यपान का अनुभव प्राप्त होगा और आपको रुग्नकारी प्रभाव से प्रभावित कर देगा। वैसे आप किसी विषम रोग से आक्रान्त तो नहीं होगीं। परन्तु

आपको सिरोवेदना, पीठ के दर्द, ट्यूमर एवं रक्तचाप वृद्धावस्था में कष्टकर न हो। अतः सतर्कता बरतनी चाहिए। सम्प्रति आप दीर्घ जीवन व्यतीत करने के प्रति आश्वस्त रहें। आपको संभावित रोगादि के प्रति सुरक्षात्मक अभिरूचि रखना चाहिए ताकि आपका जीवन रोग मुक्त एवं सुरक्षित रहे।

आपके लिए साप्ताहिक वारों में भाग्यशाली दिन बुधवार तथा शुक्रवार है। परन्तु आपको रविवार, गुरूवार, मंगलवार एवं सोमवार के दिनों का परित्याग करना चाहिए क्योंकि ये चारों दिन आपके लिए अनुकूल नही है। शनिवार आप के लिए मध्य फलदायक है।

आपके लिए वास्तव में अंक 2, 3, 5, 6 एवं 7 अंक अनुकूल हैं तथा अंक 1 एवं 8 अंक आपके लिए त्यागनीय है।

आपके लिए अनुकूल एवं भाग्यशाली रंग पीला, सूआपंखी, हरा रंग है। आपके लिए रंग लाल, बल्लू एवं काला रंग प्रतिकूल है।